अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2021) दिनांक : 21.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु दृष्टांत–40

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 13

(क) शास्त्रकार ने 'वीतराग' कहा 'वीतद्वेष' क्यों नहीं कहा?

(ख) श्रावक और कसाई को एक समान गिनने की बात स्वामीजी को किसने कही?

(ग) मेराणीयों के प्रति मेरे मन में मोह हो गया है। इस कथन पर आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(घ) 'जन्मपत्री तो बाद में बनती है।' आचार्य भिक्षु ने यह बात किस सन्दर्भ में कही?

(ङ) सिरियारी से विहार को रोकने के लिए आचार्य भिक्षु के चरणों में अपनी पगड़ी किसने रखी?

(च) 'भीखणजी! तुम भी लोटे को मांजो।' इसके प्रत्युत्तर में आचार्य भिक्षु ने किसे मांजने के लिए कहा?

(छ) 'तुम्हारा गुरु-मंत्र वापस लो।' इस पर आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ज) आचार्य भिक्षु ने भगवान के मार्ग को क्या बताया व पाषंडियों के मार्ग को किस जैसा बतलाया?

(झ) साधु द्वारा तपस्वी साधु को घी देने पर साधु के किस कर्म का बंध हुआ?

(ञ) आचार्य भिक्षु ने बुद्धि से हीन आदमी को किसके समान बताया?

(ट) पात्रों को कौन से दो रंगों से रंगा जाता है?

(ठ) 'लोलुप कौन होगा' इसके लिए आचार्य भिक्षु ने क्या त्याग करवाये?

(ड) आचार्य भिक्षु ने धन्ना जी को संघ से अलग क्यों कर दिया?

(ढ) साधु-साध्वियों की कठोर प्रकृति को सुधारने के लिए आचार्य भिक्षु किसका दृष्टान्त देते थे?

(ण) आचार्य दौलतराम जी के कितने व कौन से साधु स्वामी जी के संघ में दीक्षित हो गए?

प्र. 2 किन्हीं दो घटना-प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें– 12

(क) हम भगवान के घर के सन्देश वाहक हैं।

(ख) निक्षेपों की चर्चा।

(ग) मरने वाला डूबता या मारने वाला।

(घ) आपने भारी निर्णय किया।

प्र. 3 चार दृष्टांतों द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु अध्यात्म-प्रेरणा के महान स्त्रोत थे। 15

अथवा

चार दृष्टांतों द्वारा आचार्य भिक्षु के विनोदप्रियता पर प्रकाश डालें।

महासती सरदारां–15

प्र. 4 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 3

(क) युवाचार्य श्री ने सरदारां जी को कहां दीक्षित किया और दीक्षा में कितने लोग शामिल हुए?

(ख) स्थानांग तथा समवायांग सूत्र का अध्ययन दीक्षा के कितने वर्ष बाद करने का प्रावधान है?

(ग) साध्वी सरदारां जी ने फलौदी में ढड्ढा परिवार की किस बहन को दीक्षा प्रदान की?

(घ) समर्पण का अभिनव क्रम कौन सी साध्वी ने प्रारंभ किया?

(ङ) महासती सरदारां ने अपने जीवन के सान्ध्यकाल में किन क्षेत्रों में व्यक्ति निर्माण का विशेष कार्य किया?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) महासती सरदारां जी के दान व विसर्जन की भावना पर प्रकाश डालें।

(ख) महासती सरदारां जी के अन्तिम समय में गुरु की सन्निधि का वर्णन करें।

(ग) सिद्ध करें कि सरदारां जी की दीक्षा तेरापंथ के लिए स्वर्णिम युग का अरूणोदय था।

अनुकम्पा की चौपाई–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) आचार्य भिक्षु ने भाव लाय और भाव कुआ किसे बताया है?

(ख) साधु अपने व्रत को रखने के लिए क्या नहीं करते?

(ग) स्थानांग सूत्र के अनुसार छद्मस्थ कितनी बातों से पहचाना जाता है?

(घ) परिग्रह कितने प्रकार होता है?

(ङ) किसी के घट में तृष्णा की आग को बुझाना कौन सा उपकार है?

(च) सम्यग् दृष्टि देव कितने हैं?

(छ) उत्तराध्ययन सूत्र में भगवान ने 'काम भोग' को किसी उपमा दी है?

प्र. 7 मिश्र धर्म के सातों दृष्टांतों का विवेचन करें। 10

अथवा

भगवान महावीर की प्रथम देशना सफल क्यों नहीं हुई? कारण को स्पष्ट करें।

प्र. 8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) तीर्थंकर घर में थकां, त्यांनें हुंता हो तीन ग्यांन विशेख।
हाल हुकम थो लोक में, त्यां नहीं फेरयो हो पडहो सूतर देख।।

(ख) जीवां री हिंसा छे दुखदाई, ते नरक तणी छै साई जी।
खोटा खोटा नाम तीस हिंसा रा, कहया दसमां अंग रे मांहि जी।
हिंसा धर्म कुगुरां री वांणी।।

(ग) अर्थ अनर्थ हिंसा कीधां, अहेत रो कारण तासो जी।
धर्म रे कारण हिंसा कीधां, बोध बीज रो न्हासो जी।।

(घ) ग्यांन दर्शन नें देस चारित श्रावक मझे रे, गोसालो तो एकंत अधर्मी जांण रे।
तिणनें बचायां धर्म किहां थकी रे, तिणरो न्याय न जांणें मूढ अयांण रे।।

भिक्षु वाणी–15

प्र. 9 कोई पांच पद्य लिखें– 15

(क) गलियार गधो.....पिछतावे।।

(ख) दया दया.....नजीक।।

(ग) कामभोग

(घ) द्वेष

(ङ) राते भूला.....भूला।।

(च) समझाया.....अन्तर जोय।।

(छ) सूर नाकें.....न वेसें।।